पाठ योजना: पानी रे पानी (अध्याय-3)

विषय: E.V.S.

कक्षा: तीसरी

पाठ की लंबाई: 4 दिन में, 4 अवधि

सीखने के परिणाम:

छात्र कविता को पढ़ने के बाद प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे

1. छात्र जल के विषय में बताने में सक्षम हो सकगें।
2. छात्र जल के उचित प्रबंधन के लिए प्रावधान करना सीख जायेंगे।
3. छात्र जल के दैनिक जीवन में उचित उपयोग करना सीख जाएंगे।
4. छात्र विभिन्न जल स्त्रोतों की पहचान करने में सक्षम होगें।
5. छात्र पानी की बर्बादी को कम करने के उपायों को जानेगें।

पाठ का फोकस:

पाठ्यचर्या (क्या और क्यों):

- यह जानना कि जल कहाँ-कहाँ से प्राप्त होता है।
- छात्र जल के महत्व को जान पाएंगे |
- दैनिक जीवन में जल सरंक्षण केउपायों की समझ होनी चाहिए।

आवश्यक पूर्व ज्ञान:

- छात्रों को जल के बारे में पता होना चाहिए और पानी के सही उपयोग का ज्ञान होना चाहिए।

अल्पकालिन सोच:

- जल के महत्व को समझना और जल के सरंक्षण के लिए जागरूकता पैदा करना | प्रकृति में जल के विभिन्न रूपों में विद्यमान होने का ज्ञान प्रदान करना। जैसे: नदियों, झरनों, तालाबों, समुद्रों आदि।

विस्तारित रूप:

- जल हमारे जीवन के लिए अभिन्न और महत्वपूर्ण है जल हमारे शरीर के उर्जा स्त्रोत, स्वास्थ्य और संतुलित विकास का मूल आधार है |
- जल के बिना हम न तो जीवित रह सकते है और न ही कोई जीवनरूपी रचना अस्तित्व में आ सकती है।
- जल हमें स्वछता, सपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है

ब्लूम वर्गीकरण के अनुसार:

आवश्यक प्रश्न (पाठ के केंद्रिय विचार):

1। याद करना:

i. जल कहाँ से प्राप्त होता है?

ii. पानी का उपयोग करने वाले तीन प्रमुख घरेलू कार्य क्या है?

2। समझना:

i. पानी सरंक्षण क्यों जरूरी है?

ii. पानी की बर्बादी को कम करने के मुख्य उपाय क्या-क्या है?

3। आवेदन करना:

i. बारिश के पानी का संचयन कैसे किया जा सकता है?

ii. स्कूल में जल सरंक्षण के लिए क्या-क्या उपाय कर सकते हैं?

4। विश्लेषण करें:

i. प्रदूषण का जल स्त्रोतों और पर्यावरण पर प्रभावों का वर्णन करों |

ii. विभिन्न जल स्त्रोतों का उपयोग करने में फायदे और नुकसान लिखो?

5। मूल्यांकन करें:

1. हमारे क्षेत्र में जल सरंक्षण के प्रयासों की सफलता का आकलन कैसे करेंगे?
2. जल प्रदूषण रोकने के उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कैसे करें?

6।सृजन :

1. जल सरंक्षण के लिए एक नई गतिविधि तैयार करें |
2.

आवश्यक T.L.M:

- **Customized:**

➢ HP के जल स्त्रोतों नदियों के बारे में वीडियो दिखाना|

https://youtu.be/b8DgVUutU5c?si=JIAcHYMWLOQWDuHq

➢ मणिकर्ण गर्म पानी के स्त्रोत को विडियो के माध्यम से दिखाना|

https://youtu.be/wNoq2QuZJRw?si=Bs4l0NM94uURoxsz

➢ रुक्मणी कुण्ड का चित्र बच्चों को दिखाना |

General:

- जल सरंक्षणके लिए विडियो क्लिप बनाकर |

https://youtu.be/1eekFS6iU4M?si=Hb57dPglWa5ap-Ne

https://youtube.com/watch?v=hqCqkVxznTg&feature=shared

दृश्य सामाग्री: -

बावड़ी, नदियाँ, झीलें, नाले, कुएं, तालाब, हैण्डपंप, जल स्त्रोत इत्यादि

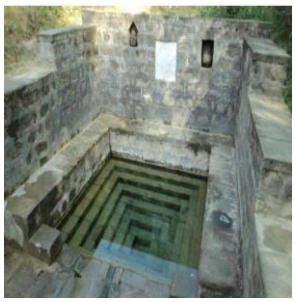
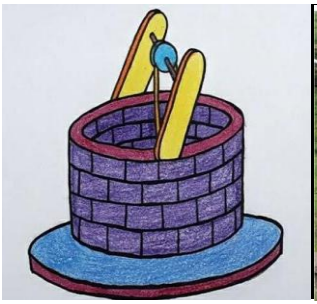

मल्टीमीडिया प्रस्तुतियां: जल से संबंधित जल सरंक्षण, जल प्रबंधन की उचित व्यवस्था दर्शाने वाली विडियो।

व्यवहारिक गतिविधियाँ:

- हम बच्चों को बिलासपुर जिला के सभी 'मार्कण्डेय' जल स्त्रोत ले जायेंगे और इस स्थान के इतिहास, स्वछता, पानी का महत्व इत्यादि बताएंगे।

रेफरल: **H.P. Board, आस-पास-3, कक्षा-तीसरी, अध्याय-3, "पानी रे पानी", (पृष्ठ संख्या: 19-24)**

कौशल:

- समस्या को सुलझाना
- विश्लेष्णात्मक कौशल
- रचनात्मकता
- सहयोग

योग्यताएं:

- पर्यावरण साक्षरता
- स्वास्थ्य और कल्याण
- सृजनात्मकता और नवाचार

आवश्यक शब्दावली:

- निर्मल:
- कलकलकल:
- आफत:
- ढाता:
- छलछलछल :
- सींचकर:

शैक्षणिक रणनीतियाँ:

पाठ को विभिन्न शिक्षण विधिओं जैसे: पूछताछ, संज्ञानात्मक भार प्रबन्धन, सांस्कृतिक संदर्भ का उपयोग करके पढ़ाया जायेगा।

शिक्षाशास्त्र के पीछे मनोविज्ञान:

i. छात्रों को प्रश्न पढ़ने और स्वतंत्र रूप से उत्तर खोजने के लिए प्रोत्साहित करने से जिज्ञासा बढ़ती है।
ii. जानकारी को प्रबंधनीय खंडों में विभाजित के करने से संज्ञानात्मक भार कम हो जाता है।
iii. छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और स्थानीय उदाहरणों पर विचार करने से प्रासंगिकता बढ़ जाती है।

जैसे: H.P. के कुल्लू जिले के मनाली में पड़ने वाले मणिकर्ण नामक गर्म पानी के जल स्त्रोत है|

जल के सरंक्षण को पारम्परिक प्रथाओं या स्थानीय जल स्त्रोतों से जोड़ने से शिक्षा समृद्ध होती है |
जैसे: H.P. में जल स्त्रोत: कुएं, बावड़ी, हैंडपंप, झीलें, नदियाँ इत्यादि |

शिक्षण प्रक्रिया:

सीखने के प्रारंभिक हुक:

कक्षा में जाने के उपरांत कविता के माध्यम से पाठ की शुरुआत करते हुए:

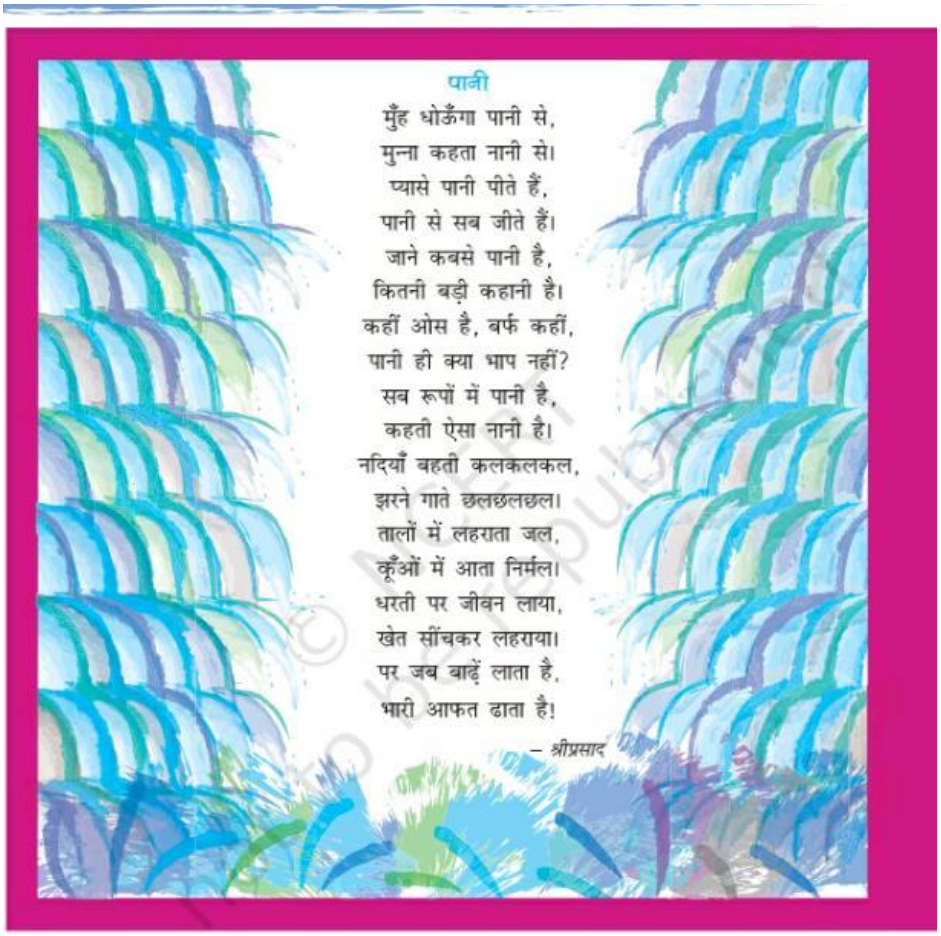

पानी

मुँह धोऊँगा पानी से,
मुन्ना कहता नानी से।
प्यासे पानी पीते हैं,
पानी से सब जीते हैं।
जाने कबसे पानी है,
कितनी बड़ी कहानी है।
कहीं ओस है, बर्फ कहीं,
पानी ही क्या भाप नहीं?
सब रूपों में पानी है,
कहती ऐसा नानी है।
नदियाँ बहती कलकलकल,
झरने गाते छलछलछल।
तालों में लहराता जल,
कूँओं में आता निर्मल।
धरती पर जीवन लाया,
खेत सींचकर लहराया।
पर जब बाढ़ें लाता है,
भारी आफत ढाता है!

– श्रीप्रसाद

1. बिलासपुर जिले के 'औहर' नामक स्थान 'रुक्मणी कुण्ड' के उद्गम होने की पौराणिक गाथा | 'रुक्मणी' नामक महिला के द्वारा पानी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया गया था |
2. चम्बा: चम्बा के राजा साहिल वर्मन की पत्नी 'सुनैना' ने पानी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया | इस बलिदान की याद में 'सुकरात' गीत गाया जाता है |

प्रत्यक्ष अनुदेश:

❊ किसके लिए कितना पानी?

इन कामों में सबसे ज़्यादा पानी जिसमें लगता है, उसे पहले लिखो। बाकी को ज़्यादा से कम के क्रम में लिखो।

काम: नहाने में, पीने में, घर धोने में, खेत में पानी देने में, आटा गूँधने में।

1. _____ 2. _____ 3. _____

4. _____ 5. _____

निर्देशित एवम् स्वतंत्र अभ्यास:

❊ नीचे दिए गए चित्रों में से उन में रंग भरो, जिनमें तुम पानी भरकर रखते हो।

© NCERT not to be republished

गतिविधियाँ:

हम सभी बच्चों को हमारे नजदीक के क्षेत्र में पाए जाने वाले जल स्त्रोतों का भ्रमण करवाएंगे | हमारे यहाँ बिलासपुर जिले में जल के स्त्रोत है जैसे नाले, बावड़ी, हैंडपंप, नदियाँ झीलें इत्यादि है | हम बच्चों को स्थानीय क्षेत्र में पाए जाने वाली बावड़ी पर ले जाकर, वहाँ बच्चों को बावड़ी में जल के उद्गम का कारण बताएं और उसके सरंक्षण और बच्चों से वहाँ बावड़ी की साफ-सफाई भी करवाएंगे | बच्चों को जल के महत्व भी समझाएंगे | ऐसे भ्रमण करवाने से बच्चों को जल के विषय में स्थायी ज्ञान की प्राप्ति होगी |

आकलन:

1.रचनात्मक मूल्यांकन:

i. आपके घर में पानी कहाँ से आता है?
ii. पानी के विभिन्न स्त्रोतों के नाम बताओ?
iii. जब आपको प्यास लगती है तो आप क्या पीते हो?

2.योगात्मक मूल्यांकन: बच्चों की गतिविधियों का मुल्यांकन करें।

छात्रों या गृहकार्य के लिए अनुवर्ती और कार्य योजना:

गृहकार्य:

I. आपको पानी लाने घर से कितना दूर जाना पड़ता है? पानी लाने में कितना समय लगता है?
II. तुम्हारे घर के लिए पानी भरने का काम कौन-कौन करते हैं?

अनुवर्ती: अगली कक्षा में होमवर्क पर चर्चा करें और शंकाओं का समाधान करें|

प्रतिबिंब :

- गतिविधियों के दौरान छात्रों की सहभागिता पर विचार करें और तदनुसार समायोजन करें।
- सुधार के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया पर विचार करें।

विभेदित अनुदेशानात्मक योजना :

- जो छात्र आगे जानना चाहते हैं उनके लिए अतिरिक्त संसाधन (वीडियो व लेख) प्रदान करेंगे।
- संघर्षरत छात्रों के लिए सरलीकृत स्पष्टिकरण प्रदान करेंगें।
- सहयोगात्मक शिक्षण के लिए सहकर्मी शिक्षण को प्रोत्साहित करेंगे।

समग्र प्रगति कार्ड (HPC) और NCrF :-

व्यक्तिगत छात्रों की समग्र प्रगति के साथ सीखने की पूरी प्रक्रिया का मानचित्रण और एकीकरण:

1.क्विज, चर्चाओं और परियोजनाओं के माध्यम से नियमित रूप के छात्रों की समझ का आकलन करेंगे।

2.सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने और तदनुसार निर्देश तैयार करने के लिए HPC (Holistic Progress Card) का उपयोग करेंगें।